वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 295 | गुरुवार 22 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विकसित भारत का सपना बहुत जल्दी होगा साकार,

दिव्यांगजन हमारे परिवार का हिस्सा: दिया कुमारी

''सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास'' की संकल्पना के साथ होगा विकसित भारत का सपना साकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री की सबका साथ सबका विकास की सोच के अनुसार दिव्यांगजन को परिवार के हिस्से के रूप में साथ लेकर ही आगे बढ़ने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से विकास की गति तिगुनी हो गई है। विकसित भारत का सपना 2047 से पहले ही बहुत जल्दी साकार होगा। उन्होंने कहा राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। उप मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में राजकीय सावित्री बाई फुले छात्रावास, (कॉलेज स्तरीय) गांधीनगर, जयपुर में बुधवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत की अध्यक्षता में ''मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी वितरण समारोह'' आयोजित किया गया। दिया कुमारी ने समारोह को संबोधित करते हुए 60 दिव्यांगजनों को स्कूटी मिलने की बधाई दी और कहा कि यह आपके जीवन में खुशियों का संचार करे यही मेरी कामना है। उन्होंने दिव्यांग स्कूटी वितरण कार्यक्रम कवरेज करने आए मीडिया कर्मियों का आभार जताते हुए कहा कि हम सभी के द्वारा हमारे परिवारजन दिव्यांगजनों को महत्व दिया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूटी प्राप्त वाले दिव्यांग जनों में कई बेटियां भी हैं। राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला सुरक्षा के लिए कार्य किए किए जा रहे हैं। बजट घोषणा में कराटे विधा को स्पोर्ट्स कोटा में शामिल किया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे

और उनका समुचित संचालन भी होगा। उन्होंने कहा कि जुलाई में जब फिर बजट आएगा तो दिव्यांग जनों का विशेष ख्याल रखा जाएगा। दिया कुमारी ने कहा कि पब्लिक प्लेस पर रैंप बनवाए जाने के साथ ही वहां ब्रेल लिपि में सूचना पट्ट भी लिखवाये जाएं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन सहित सामाज कल्याण के लिए निजी संस्थाएं, उद्योगपति तथा कॉरपोरेट्स सी एस आर के तहत योगदान देने के लिए आगे आने चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के तहत दिव्यांगजन के लिए दो बजट घोषणाएं की गई हैं जिनमें जयपुर के जामडोली में कंपोजिट रीजनल सेंटर बनवाया जाएगा और इसी प्रकार दिव्यांगजनों के लिए राज्य में जिला रिहैबिलिटेशन सेंटर भी बनाए जाएंगे। समारोह की अध्यक्षता कर रहे अविनाश गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांग जनों के प्रति संवेदनशील है और निरंतर दिव्यांग जनों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आगे आने वाले समय में भी दिव्यांग जनों के लिए स्कूटी वितरण करती रहेगी और दिव्यांग जनों के कल्याण के लिए धन की कमी नहीं आने देगी। अविनाश गहलोत ने कहा कि आगे आने वाले समय में विभाग द्वारा निशक्तजन प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर लगाए जाएंगे और योजनाओं का सीधा लाभ विशेष योग्य जनों को मिल सके इसका प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ''सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास'' की संकल्पना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार किया जाएगा। अविनाश गहलोत ने कहा कि भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनो के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने, राजकीय सेवा में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए तथा दिव्यांगजनो के लिए समायोजित करने वाला वातावरण बनाने के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लाया गया ,जिसके तहत दिव्यांगजनों को राजकीय सेवा में 4 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही दिव्यांगता की श्रेणियां बढाकर 21 कर दी गई है।

मुफलिसी के दौर से गुजर कर मशहूर हुए अभिनेता ओमप्रकाश

उदयपुर. शाबाश इंडिया

फिल्म 'शराबी' के 'मुंशी जी' को भला कौन भूल सकता है, जिन्हें बच्चन साहब बात-बात पर शेर सुनाने को कहते थे। या फिर 'नमक हलाल' के वो 'दद्दू', जिन्हें उनका लम्बा-चौड़ा पोता गांव में अकेले छोड़कर शहर जाने को तैयार नहीं है। या फिर फिल्म गोपी में लीजेंड दिलीप कुमार बड़े भाई, जो उन्हें डांटकर घर से निकाल देते हैं। इन तमाम भूमिकाओं में अपने बेजोड़ अभिनय से जान डालने अभिनेता ओम प्रकाश छिब्बर की आज पुण्यतिथि है। गोपी, हलचल, नमक हलाल, चुपके-चुपके और शराबी जैसी फिल्मों के जरिए दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ने वाले ओमप्रकाश का जन्म 1919 में लाहौर में हुआ था। जिनको अपने करियर के शिखर पर विभाजन का दंश झेलना पड़ा और पाकिस्तानी फिल्मों में चल रहे अच्छे-खासे करियर को छोड़कर हिन्दुस्तान आना पड़ा और यहां

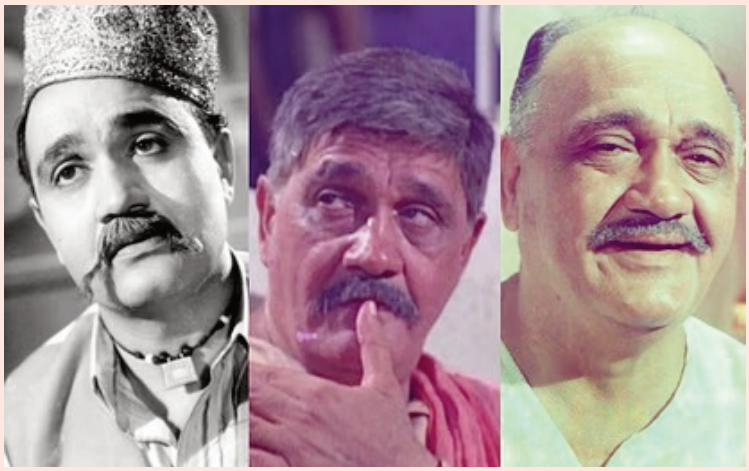

आकर पुनः जीरो से शुरूआत की। कई दिनों तक मुम्बई की सड़कों पर भूखे-प्यासे घूमे और एक दिन जब भूख से बेहद परेशान हो गए तो एक रेस्तरां में गए, भरपेट भोजन किया और बिल देने के समय मालिक के पास जाकर कहा कि अभी मेरे पास पैसे नहीं है। लेकिन जिस दिन होंगे, मैं खुशी-खुशी देकर जाउंगा। रेस्तरां के मालिक, ओमजी का ये ओवर कॉन्फिडेंस देखकर नाराज तो हुए, पर जाने दिया। वक्त गुजरा और वो दिन भी आया जब भारतीय सिनेमा में ओमप्रकाश की तूती बोलने लगी और उन्होंने दिलीप कुमार, राज कपूर, अशोक कुमार, किशोर कुमार, देव आनंद, धर्मेन्द्र और अमिताभ बच्चन जैसे चोटी के अभिनेताओं के साथ किया। यहां तक फिल्म गोपी के दौरान तो खुद दिलीप साहब ने ये कहा कि शूटिंग के पहले दिन ओम जी को सामने देखकर मैं घबरा गया था। जूली, जोरू का गुलाम, आ गले लग जा, प्यार किये जा, पड़ोसन और बुड्ढा मिल गया जैसी फिल्में आज भी उनकी लाजवाब अदायगी के लिए याद की जाती हैं। 300 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय करने वाले ओमप्रकाश का 21 फरवरी 1998 में दिल का दौरा पड़ने से मुंबई के लीलावती अस्पताल में निधन हो गया और अपने किरदारों से दुनिया को हंसाने वाला शख़्स हमेशा के लिए खामोश हो गया। उनके चाहने वालों की ओर आज उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन।

ओमपाल सीलन, फिल्म पत्रकार एवं समीक्षक, उदयपुर।

खामोश हो गई.....''जी हाँ बहनों-भाइयों'' कहने वाली आवाज स्टार रेडियो अनाउंसर अमीन सयानी का निधन

रेडियो पर अब नहीं सुनाई देगा-जी हाँ बहनों-भाइयों
नहीं रहे आवाज के जादूगर- अमीन सयानी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

''जी हाँ, बहनों-भाइयों'' ये वो शब्द हैं, जिन्हें सुनते ही एक मखमली आवाज कानों से होते हुए सीधे दिल में उतर जाती है। एक वक्त था जब रेडियो पर ये आवाज सुनते ही लोग सब कुछ छोड़-छाड़ कर रेडियो से चिपक जाते थे। लम्बे अरसे तक रेडियो की दुनिया पर राज करने वाले स्टार अनाउंसर अमीन सयानी का मंगलवार रात निधन हो गया। 21 दिसम्बर 1932 को मुम्बई में जन्मे सयानी साहब ने रेडियो सिलोन से अपने करियर की शुरूआत की। विविध भारती पर प्रसारित होने वाला इनका रेडियो शो ह्यबिनाका गीतमालाह्न तो इतना बड़ा हिट हुआ कि 1952 से लेकर 1994 तक लगातार 42 वर्षों तक चला। अमीन सयानी की आवाज का जादू ऐसा था कि सिर्फ.भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 60, 70, 80 और 90 के दशक में अमीन सयानी का कद किसी स्टार से कम नहीं था। देश का बड़े से बड़ा अभिनेता ये चाहता था कि उनका इन्टरव्यू सयानी साहब करें या फिर उनकी फिल्म के गाने ''बिनाका गीतमाला'' में जरूर बजें। क्योंकि गीत को प्रस्तुत करने का इनका अंदाज लाजवाब था, जिसे आज भी बहुत सारे अनांउसर कॉपी करने की कोशिश करते हैं। कहा ये भी जाता है कि अपने स्ट्रगल के दिनों में बच्चन साहब इनसे बिना समय लिए ही रेडियो स्टेशन मिलने चले गए, तो इन्होंने मिलने से इन्कार कर दिया और जब मुलाकात हुई तो अमिताभ बच्चन से कहा कि तुम्हारी आवाज सुनकर तो लोग डर जाएंगे। बरसों बाद जब अमिताभ बच्चन, ह्यअमिताभ बच्चनह्न बन गए और किसी कार्यक्रम में सयानी साहब से मुलाकात हुई तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मैं तब आपको रेडियो में रख लेता तो आज इन्डस्ट्री को सदी का महानायक कैसे मिलता। अमीन सयानी अपने लम्बे रेडियो करियर में लगभग 54,000 रेडियो प्रोग्राम

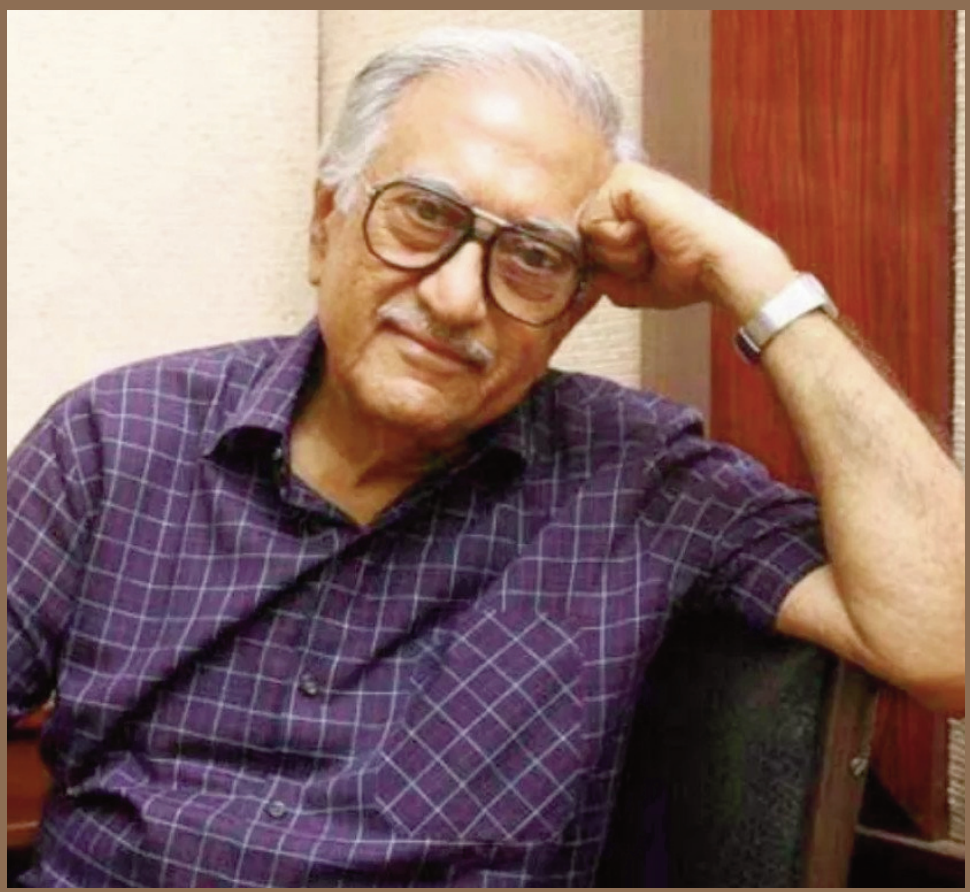

और 19,000 जिंगल्स करने के साथ-साथ ये भूत बंगला, तीन देवियां, बॉक्सर और कत्ल जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहे। दशकों तक अपनी आवाज के जादू से जो लोगों के दिलों पर छाए रहे, वो सदियों तक अपने चाहने वालों के दिलों में रहेंगे। **शाबाश इंडिया की ओर से इंडिया की इस ''गोल्डन वॉयस'' को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि।**

ओमपाल सीलन,
फिल्म पत्रकार एवं समीक्षक,वीआईएफटी, उदयपुर।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज को दी विनयांजलि

सूर्य अस्त होता है तो वापस उदय भी होता है उसी प्रकार विद्यासागर जी महाराज का भी पुनर्जन्म होगा : आर्यिका सुबोध मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आज संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर सागर जी महाराज को सकल दिगम्बर जैन फागी ने विनयांजलि अर्पित कर उनकी द्वारा किए गए परोपकारो को याद करते हुए समाज के विभिन्न श्रृदालुओं ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम अखिल भारत वर्षीय जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने आचार्य श्री के प्रति विनयाजंलि देते हुए कहा आचार्य विद्यासागर जी महामुनिराज ने 77 वर्ष की आयु में छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में श्रीदिगंबर जैन तीर्थ चंद्रगिरि में स्वास्थ्य की असाध्य प्रतिकूलता के कारण तीन दिन के उपवास ग्रहण करके उत्तम सत्य धर्म के दिन ब्रह्म मुहूर्त में 17 और 18 फरवरी की मध्यरात्रि में 2:35 पर समाधि पूर्वक ब्रह्म लीन हो गए ओर इस नश्वरदेह को त्याग दिया था । संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को विधाधर के रूप में कर्नाटक के बेलगांव जिले के सदलगा में शरद् पूर्णिमा के दिन हुआ था , आपके पिता श्री मल्लप्पा थे जो बाद में (मुनि मल्लिसागर) बने एवं माता श्रीमंती थी जो बाद में आर्यिका समयमति बनी। आचार्य विद्यासागर जी को 30 जून 1968 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज ने दीक्षा दी थी। 22 नवंबर 1972 में ज्ञान सागर जी महाराज द्वारा आचार्य पद दिया गया था। आचार्य विद्यासागर जी संस्कृत ,प्राकृत, सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं हिंदी, मराठी और कन्नड़ में पूरी जानकारी रखते थे। उन्होंने काव्य मूक माटी की भी रचना की है। वे सभी धर्मों में पूजनीय थे, आपकी प्रेरणा से देश में हजारों गौशालाऐं , चिकित्सालय, एवं विद्यालय समाज के द्वारा संचालित हो रहे हैं। आपने राष्ट्र के स्वावलंबल हेतु स्वदेशी और स्वरोजगार का देश के युवाओं को मूल मंत्र प्रदान किया था। इंडिया छोड़ो भारत बोलो आपका मुख्य मूल मंत्र था,आपकी इसी प्रेरणा से देश में हजारों श्रमदान हाथकरघा केंद्र संचालित है। आपका वियोग राष्ट्र की ही नहीं संपूर्ण विश्व की अपूरणीय क्षति है। आप संपूर्ण प्राणी मात्र के शुभचिंतक थे। आपने जैनेत्व को जीवन दान देकर आगे बढ़ाया था, आपने अनेकों दीक्षाएं प्रदान कर सभी दीक्षार्थियों का जीवन सफल किया था। आप 36 गुणों के मूल धारी थे।

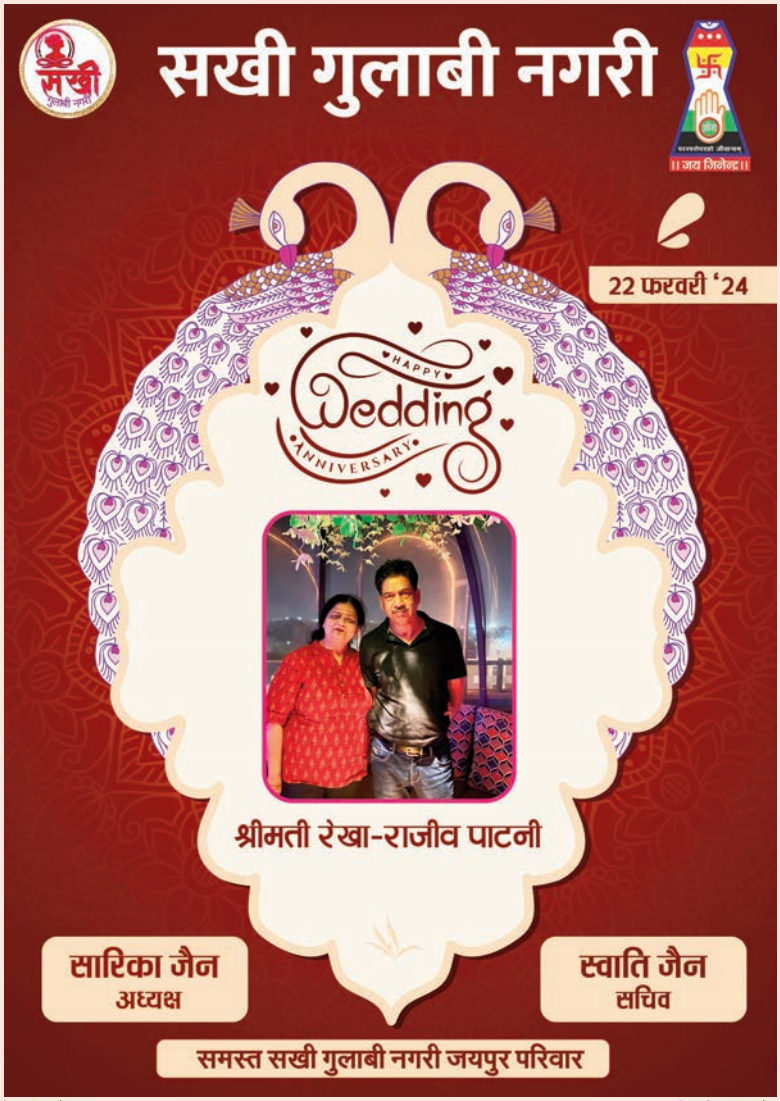

वेद ज्ञान

ईश्वर का चिंतन करना जरूरी

प्रायः हम कहते हैं कि हमें ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए। इस संदर्भ में सवाल यह उठता है कि हम उसका चिंतन कर भी कैसे सकते हैं, जिसके बारे में हमारा कोई अनुभव नहीं। वहीं जो लोग ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, वे सब सुनी-सुनाई बातें हैं, जिसे हम अपना ईश्वरीय ज्ञान मान लेते हैं, जो सरासर मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं। मन ही सर्वाधिक तीव्रगामी है। विचार ही मन की शक्ति है, किंतु जहां मन की सीमा समाप्त होती है, वहां से परमात्मा की सीमा शुरू होती है, किंतु इसका आशय यह नहीं कि यहां क्षेत्र बंटे हुए हैं। इसका आशय मात्र इतना है कि जब मन यानी विचार थककर गिर जाते हैं, तब उस परमात्मा की अनुभूति होती है। विचार रूपी धूल झड़ गई, मन रूपी आईना स्वच्छ हो गया, तब हम उसे देख सकते हैं, जो सब में निहित है। विचारों की शक्ति कुल मिलाकर उस अंधे की लाठी के समान है, जिसके द्वारा हम सागर की थाह पाने की चेष्टा करते हैं, जो अंततः हमें तनावग्रस्त बना देते हैं। उपनिषदों में कहा गया है कि ईश्वर ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की, सारी कर्मेंद्रियों का रुख बाहर की ओर रखा और स्वयं हमारे भीतर हमारी हृदय गुहा में छिप गया। अब चूंकि हमारी समस्त कर्मेंद्रियों के द्वार बाहर की ओर खुलते हैं और हमारी सारी उपलब्धियां बाहर प्राप्त होती हैं। इसलिए हम ईश्वर को भी बाहर पाना चाहते हैं। इस प्रकार ईश्वर की ओर हमारी पीठ हो जाया करती है और हम अपने भीतर दौड़कर उसे बाहर सब जगह तलाश करते हैं। इसी खोज में उससे दूर होते चले जाते हैं। शायद हमें यह ख्याल नहीं कि जो चीज हमारे जितना निकट होती है, उसके होने का आभास उतना ही क्षीण होता है। और उसका पता हमें तब चलता है, जब वह चीज हमसे दूर हो जाती है। हमने परमात्मा को स्वयं के भीतर होने का बोध खो दिया है। काश! हमने कभी परमात्मा को खोया होता तो कोई भी उसे खोज कर हमें दे देता, किंतु जब हमने उसे खोया ही नहीं तो उसे हमें कोई दे भी कैसे सकता है। उसकी खोज अंतस चेतना में ही करनी होगी। इस संदर्भ में यह बात भी याद रखें कि परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रबल रचनात्मक शक्ति है, जो अदृश्य है।

संपादकीय

सोशल मीडिया की लत से मुक्ति दिलाने की जरूरत

इंटरनेट आधारित उपकरणों की लत को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। खासकर स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया मंचों का चलन बढ़ने के बाद किशोरों और युवाओं में इसकी लत की वजह से अनेक शारीरिक, मानसिक विकृतियां चिह्नित की गई हैं। इन विकृतियों के उपचार के लिए दुनिया भर के विशेष अस्पतालों में अलग से विभाग तक खोल दिए गए हैं। स्कूल-कालेजों में बच्चों को इस लत से मुक्ति के नुस्खे समझाए-

बताए जाते हैं। मगर चिंता की बात है कि कम होने के बजाय सोशल मीडिया मंचों की लत भयावह रूप लेती जा रही है। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि बहुत सारे युवा सोशल मीडिया पर अपने किसी चित्र या टिप्पणी पर मिली पसंद से धूम्रपान जैसा आनंद महसूस करते हैं। जाहिर है, इसीलिए वे लगातार सोशल मीडिया पर बने रहते हैं। पहले के अध्ययनों से भी जाहिर है कि इससे युवाओं, किशोरों में दिमाग के भीतर पैदा होने वाले आनंद के रसायन का प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे उन्हें सुख मिलता है। मगर इस सुख के चलते उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर कितना बुरा असर पड़ता है, युवा इसका अनुमान नहीं लगा पाते। सोशल मीडिया के अब अनेक मंच हैं, जहां युवा और किशोर अपनी पसंद की गतिविधियां कर सकते हैं। ज्यादातर युवा अपनी तस्वीरें डालकर अपने मित्रों की सराहना पाने की कोशिश करते हैं। उसमें से कई तस्वीरों के लिए युवा खतरनाक जगहों और जोखिम भरी स्थितियों में भी खुद को डालने से नहीं रोक पाते। इससे जाहिर है कि उनमें एक प्रकार का ऐसा नशा पैदा हो जाता है कि वे सही और गलत में फर्क करने का विवेक खो बैठते हैं। लगातार स्मार्ट फोन पर गेम खेलने, सोशल मीडिया पर बिताने आदि के चलते युवाओं की स्वाभाविक आदतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उनकी नींद कम हो जाती है। देर रात तक जागते और सुबह देर तक सोते हैं। किताबें पढ़ने की आदत का बहुत तेजी से खत्म हो रही है। जाहिर है, इससे जरूरी स्कूली पाठ्यक्रम का अध्ययन बाधित होता और कई तरह की व्यवहारगत समस्याएं पैदा होती हैं। चिड़चिड़ापन, अकेलापन, अवसाद, हिंसक वृत्ति, असंवेदनशीलता, समाज से विच्छिन्नता आदि जैसे मानसिक विकार अब युवाओं में आम हो चले हैं। इससे पार पाने के अनेक उपाय किए जा रहे हैं, मगर समस्या यह है कि जब तक युवाओं को खुद इस बात का अहसास न हो और वे इस लत से मुक्ति पाने की कोशिश न करें, तब तक कोई भी उपाय कारगर साबित नहीं हो पाता। आमतौर पर बच्चों को अनुशासित करने की जिम्मेदारी माता-पिता की समझी जाती है। हर माता-पिता चूंकि सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से वाकिफ है, अपने बच्चों को इससे दूर रखने का प्रयास करता भी है। मगर चीजें अब इस कदर उलझ चुकी हैं कि अभिभावक भी इसके आगे हथियार डाल चुके हैं। स्कूलों की पढ़ाई-लिखाई, अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध है। सूचना का सारा संजाल अब स्मार्ट फोन की तरफ केंद्रित होता जा रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

लापरवाही

मुंबई हवाई अड्डे पर अस्सी वर्ष के एक बुजुर्ग की मौत सिर्फ इसलिए हो गई कि वहां उसे समय पर पहिएदार कुर्सी मुहैया नहीं कराई गई, जबकि इसके लिए पहले ही अनुरोध कर दिया गया था। मगर संबंधित विमानन कंपनी का कहना है कि पहिएदार कुर्सी की किल्लत थी और बुजुर्ग को इंतजार करने के लिए कहा गया था, मगर वे पैदल ही चल पड़े। सवाल है कि न्यूयार्क से चल कर मुंबई पहुंचे बुजुर्ग ने अगर पहले ही इसके लिए बुकिंग कराई थी, तब उसे सही समय पर कुर्सी मुहैया कराना किसकी जिम्मेदारी थी? विमान यात्रा के दौरान हवाई अड्डे पर पहुंचने से लेकर हर स्तर पर अगर कोई यात्री जाने-अनजाने में नियम के विरुद्ध कोई व्यवहार करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी सक्रियता बरती जाती है। इसका मकसद होता है कि किसी भी तरह की अव्यवस्था न पैदा हो, क्योंकि विमान यात्रा बेहद संवेदनशील होती है और उसमें मामूली गलती भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। इसका एक संदेश यह भी है कि विमान सेवाओं को संचालित करने वाले महकमे की ओर से भी कोई लापरवाही न बरती जाए। मगर आए दिन देखा जाता है कि अव्यवस्था की वजह से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब एक यात्री विमान के शौचालय में गया और तकनीकी खराबी की वजह से उसी में बंद हो गया। उसे उसी में बंद रह कर यात्रा पूरी करनी पड़ी। इसके अलावा, खराब मौसम या अन्य वजहों से हवाई यात्रा में दस-बारह घंटे या इससे ज्यादा वक्त की देरी को भी सामान्य मान लिया जाता है। हाल ही में एक विमान के यात्री हवाई पट्टी पर ही उतर कर खाना खाने या वक्त काटने लगे। सुरक्षा जांच से गुजरने और उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी की वजह से विमान को आपात स्थिति में फिर से उतारने की घटनाएं भी सामने आईं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि

एक बेहद छोटी खामी के चलते विमान यात्रियों के साथ क्या हो सकता है। यह सब भी अव्यवस्था के ही अंतर्गत दर्ज किया जाना और इसके लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, नियमों के मुताबिक कार्रवाई होनी चाहिए। मुंबई हवाई अड्डे पर पहिएदार कुर्सी मुहैया न होने से बुजुर्ग की मौत एक सबसे व्यवस्थित मानी जाने वाली सेवा की कलई खोलती है।

आचार्य विद्यासागर जैनों के नहीं, सर्व समुदाय के संत थे: गिर्राज डण्डोतिया

पूर्व मंत्री ने आचार्य श्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जैनाचार्य विद्यासागर महामुनिराज केवल जैन समुदाय के ही नहीं बल्कि वह तो सर्व समुदाय के संत थे । आचार्य श्री ने अपना सम्पूर्ण जीवन अहिंसा, शाकाहार और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया । उनकी समाधि का समाचार सुनकर सम्पूर्ण जनमानस में शोक में डूब गया । किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि पूज्य गुरुदेव हमें छोड़कर चले गए । आचार्य श्री के द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्य हमारी स्मृति में और आचार्य श्री हमारे हृदय में सदैव विराजमान रहेंगे। उक्त उद्गार मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री गिर्राज डंडोतिया ने बड़ा जैन मंदिर मुरेना की विन्यांजली सभा में व्यक्त किए । समाजसेवी मनोज जैन नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन तीर्थ चंद्रगिरी डोगरगढ में पूज्य गुरुदेव संत शिरोमणि दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागर महाराज 17/18 फरवरी की मध्यरात्रि 02.35 पर समाधि प्राप्तकर ब्रह्मलीन हो गए । जैन समाज मुरेना द्वारा पुज्यश्री को श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु बड़े जैन मंदिर में विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया । जिसमें सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बंधु, माता बहिनें, युवा साथी सम्मिलित हुए। विनयांजलि सभा में सभी लोग अपने अपने घर से घी का दीपक लेकर आए थे। सभी ने दीप प्रज्वलित कर आचार्य श्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए वक्ताओं ने आचार्य श्री के संस्मरण सुनाते हुए उनके व्यक्तित्व एवम कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप मंदिर कमेटी के अध्यक्ष महेश चंद बंगाली, मंत्री एडवोकेट धर्मेंद्र जैन, टिकटोली के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, संस्कृत विद्यालय के कार्याध्यक्ष मनोज जैन, पूर्व मंत्री पवन जैन, पल्लीवाल मंदिर के अध्यक्ष शेखर जैन, बाबूलाल जैन, पंकज जैन मेडिकल, चक्रेश शास्त्री, संजय शास्त्री, राजकुमार जैन ''कोषाध्यक्ष'', मुन्नी साहूला, संगीता जैन, चेतनमाला जैन, शशि जैन, भावना जैन, कवियत्री भारती जैन दिव्यांशी, द्वारिका प्रसाद जैन एडवोकेट, प्रेम चंद जैन, राजेंद्र जैन, विजय जैन मंत्री, सुनील जैन पुच्ची सहित अनेकों लोगों ने पूज्य आचार्य श्री के तप त्याग

तपस्या का गुणगान करते हुए अपनी ओर से अश्रुपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए । सभी ने एक स्वर में कहा कि हम सभी आचार्य श्री के बताए हुए मार्ग पर चलें और पूज्य गुरुदेव द्वारा प्रारंभ किए गए जीव दया, करुणा, शिक्षा, चिकित्सा आदि कार्यों को अनवरत चालू रखें। पूज्य गुरुदेव के प्रति हम सभी की यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धासुमन अर्पित करते समय उपस्थित सभी की आखों से अश्रुधारा वह रही थी । मंच पर पूज्य गुरुदेव की विशाल तस्वीर पर सभी जन दीप प्रज्वलित कर विनयांजलि दे रहे थे । सभा का संचालन मंदिर कमेटी के मंत्री धर्मेंद्र जैन एडवोकेट ने किया ।

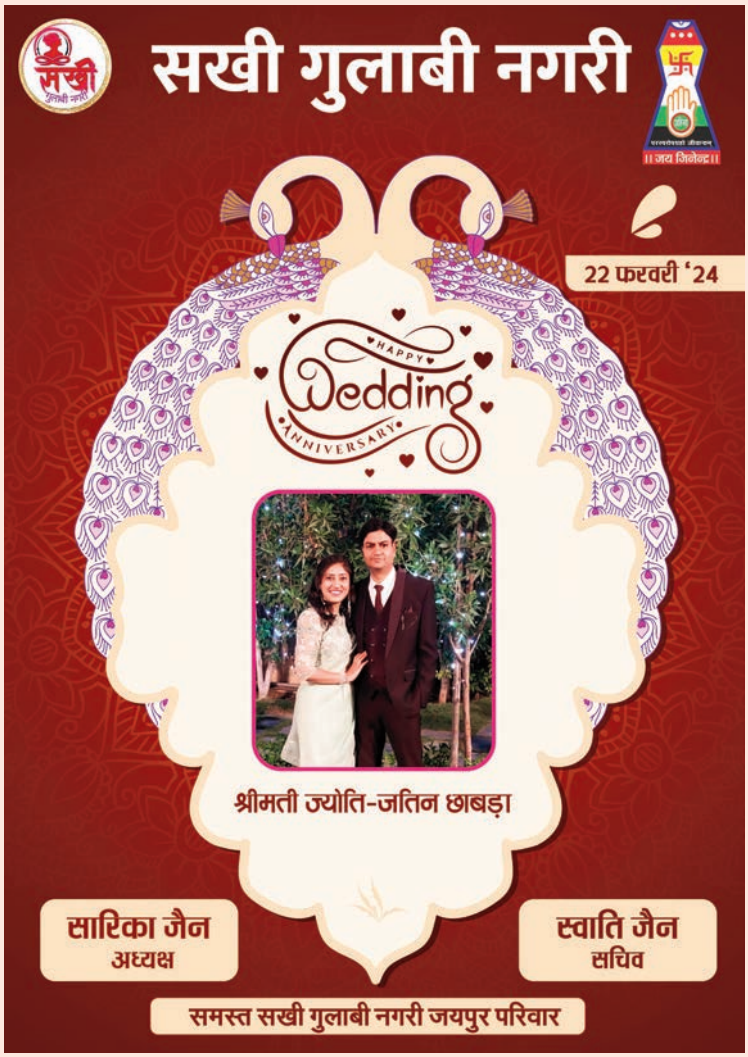

सर्व धर्म सभा मे समाधिस्थ श्री विधासागरजी महाराज पर विचार प्रगट किये गए

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धांमनोद । जैन समाज के धर्म गुरु संत शिरोमणी महामुनिराज समाधिस्थ श्री विधासागरजी महाराज का चंद्रगिरि डोंगरगढ़ में समाधि हो गई उसी को लेकर श्री आदिनाथ मांगलिक भवन में जैन समाज एवम मुनि सेवा समिति के तत्वाधान में सर्व धर्म विनियांजली सभा का आयोजन रात्रि में किया गया जिसमे विभिन्न समाजों के प्रमुख,अन्नपुर्णा रोगी सेवा संस्थान, भारत विकास परिषद ,लायंस क्लब, लियो क्लब, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, पाटीदार समाज, सिंधी समाज , सोनी समाज, सिख समाज, मुस्लिम समाज, ब्राह्मण समाज, स्वंय सेवक संघ , पटेल समाज ,नगर के पत्रकारगण , कहार समाज , वैश्य समाज, नारमदेव ब्राह्मण समाज , नगरपंचायत अध्य्क्ष प्रतिनिधी विष्णुजी साटलिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश पटेल, विधायक प्रतिनिधि ममता वर्मा , जैन समाज संरक्षक नरेंद्र काकाजी , सुशील जैन, कमल छाबड़ा, सुरेंद्र जैन, राजेश पारीक, विजय नामदेव, जगदीश पाटीदार, सोनुगाँधी, कवि ब्रजेश पटवारी, पार्षद जमील खान, देवकरण पाटीदार, जैन समाज अध्यक्ष राकेश जैन उपाध्यक्ष पूर्णिमा जैन जैन समाज की मुनिसेवा समिति के समिति अध्यक्ष सचिन जैन सपना जैन महेश जैन संजय जैन महावीर मेडिकल अशोके प्रधान अंकिता जैन सोनल जैन समाज सचिव संदीप मंडलोई आदि ने अपने भावांजलि आचार्य विधासागरजी महामुनिराज के बारे मे बताया कि उनके द्वारा जो सेवा कार्य धर्म मे तीर्थो की रक्षा उनके सरंक्षण निर्माण प्रतिभा स्थली बन्दीगृह भाइयो को चरखा चलाकर बुनाई करना स्वदेशी अहिंसक वस्तुओं का निर्माण व उपयोग में लाने के प्रेरणा व रोजगार के कार्य वस्त्र खादी व हथचरखे से बनाकर वयवसाय करना ऐसे खाद्य प्रदार्थो का भी खुद ताजे शुद्ध तैयार करे व उसका कारोबार करे बहुत से लोगो को रोजगार देने का कार्य गो रक्षा व गो सेवा जगह जगह लगभग 3000 के करीब संकल्प करवा कर पॉलन करवाना । 175 मुनीराज को दीक्षा दी गई व 150 माताजी को दीक्षा व एलक व क्षुल्क दीक्षा प्रदान की गई वह 10000 से अधिक बह्मचारी भैया व बहनों को भी व्रत की दीक्षा दी गई व करोडो मुनि भक्त थे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के अनेक मंत्री मुख्यमंत्री उनके अनुयायी थे।कार्यक्रम का संचालन दीपक प्रधान महेश जैन ने किया आभार मुनिसेवा समिति के सचिव संजय जैन ने माना। इस दौरान बहुत से भक्तों ने विधासागरजी महाराज के नाम से मार्ग व योजनाएं करने की मांग भी की विधायक व नगर पंचायत से की इस दौरान मुनिसेवा समिति के सभी साथियों ने बहुत अच्छी वेवस्थाये की विनियांजली कार्यक्रम में समाज व सभी समाज के समाजन उपस्थित थे उपस्थित सभी समाजजनों ने आचार्य श्री के चित्र के सामने दीपक भी जलाए गए एवम 2 मिनिट का मोन रखकर सभा की समापन किया गया ।

विज्ञातीर्थ पर मनाया जायेगा गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी का 30 वाँ दीक्षा दिवस महोत्सव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) के श्री शांतिनाथ चैत्यालय में श्री अभिनंदननाथ भगवान का जन्म-तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ के द्वारा श्री अभिनंदननाथ भगवान की स्तुति पाठ का वाचन किया गया। तत्पश्चात भक्तों ने मिलकर प्रभु के चरणों में नैवेद्य चढ़ाकर गुणगान पूर्वक अर्घ्य समर्पित किया। गुरूमाँ ने अनशन व्रत को धारण कर तपस्या की। प्रवचन सभा में उपस्थित भक्तों को आशीष देते हुए माताजी ने कहा कि - खुद को बदलने का आसान तरीका है गलती को स्वीकारना। जिस समय हम गलती को स्वीकार लेते है उसी समय परिवर्तन प्रारंभ हो जाता है। गलती को निकालने का संघर्ष करो। संघर्ष इंसान को मजबूत बनाता है फिर चाहे वो कितना भी कमजोर क्यों न हो। अगर विश्वास खुद पर हो तो उजड़ी हुई जिंदगी भी दोबारा खिल सकती है।

वर्ष 2024 में शिवांगी त्रिवेदी को मिला सिल्वर मेडल

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला युवा संसद, वनस्थली विद्यापीठ निवाई वर्ष 2024 में शिवांगी त्रिवेदी (इ.अ.छछ.इ तृतीय वर्ष की छात्रा) को आज द्वितीय स्थान आने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की उपस्थिति में मुख्य प्रबंधक सिद्धार्थ शास्त्री द्वारा पुरस्कृत किया गया एवम्सिल्वर मेडल दिया गया। शिवांगी ने बताया कि इस उपलब्धि का सारा श्रेय माता पिता और गुरुजनों को जाता है।

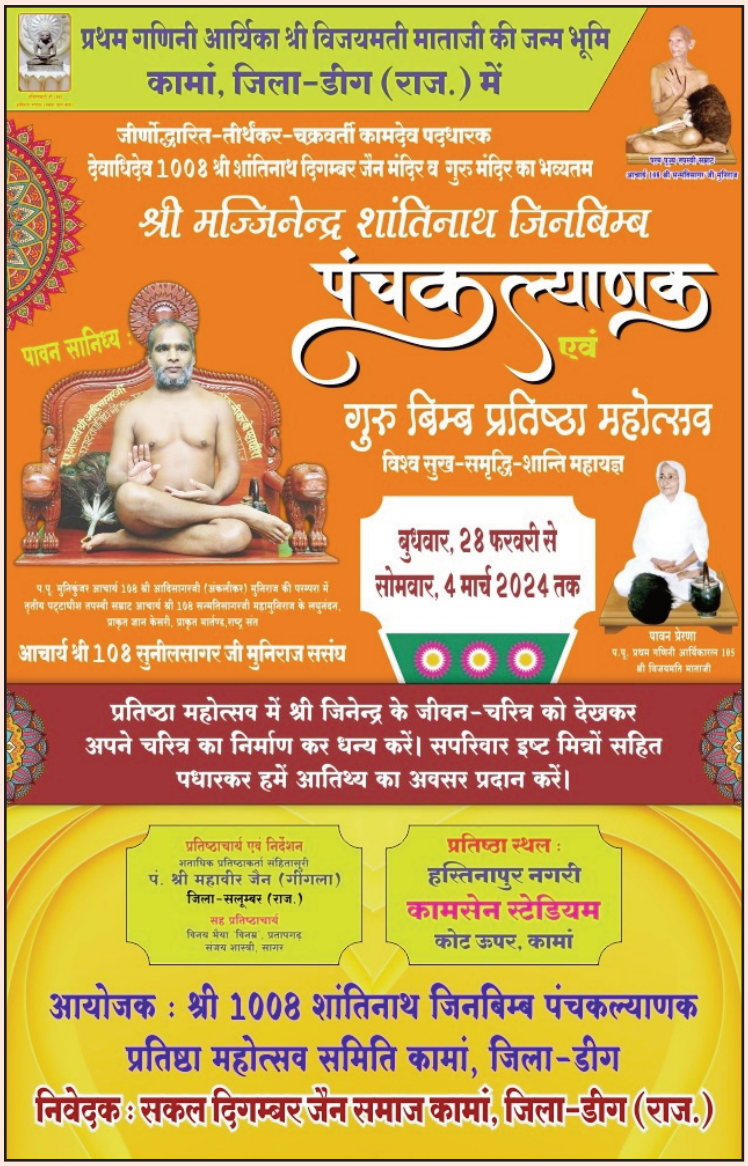

अहिंसा, सत्य और अनेकांत की हृदयग्राही

विमुग्धिकृत अभ्व मानवीय प्रस्तुति
वीतराग साधना पथ के अविराम पथिक
पूर्णिमा के चन्द्रमा की तरह
उज्ज्वल -- धवल -- प्रकाशमान

आचार्य श्री विद्या सागरजी महामुनिराज : आचार्य प्रसन्न सागर

ब्रह्माण्ड के देवता, विश्व हित चिन्तक, युग दृष्टा, सन्त शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागरजी महाराज रात्रि के तृतीय प्रहर में, देवत्व की राह में चले गये। सन्त शिरोमणि के जीवन में वाणी की प्रमाणिकता, साहित्य की सृजनात्मकता एवं प्रकृति की सरलता का त्रिवेणी संगम था।

जो अपराजिता के शिखर थे, जिनकी वीतरागता प्रणम्य थी। जिनका जीवन मलयागिरी चन्दन की तरह खूशबूदार था। अपारथिव एवं यथार्थ संसार के बीच आचार्य भगवान एक दीप स्तंभ थे। आचार्य भगवान की चेतना, पुष्पराग की भान्ति निष्पक्ष थी। ना उन्हें जाति पाति से प्रयोजन था, ना अपने पराये से परहेज था, ना देशी से राग ना विद्वेषी से द्वेष था। आचार्य श्री का जीवन सर्व जनीन और सर्व हितंकर था। आचार्य भगवन का जीवन वटवृक्ष के समान था। आपके उद्बोधन एवं परिचर्चा में महावीर का दर्शन होता था।आप वर्तमान के वर्धमान थे, आप सम्वेदनशीलता एवं डायनेमिक सन्त थे। आपका जीवन पारदर्शी, पराक्रमी तथा जीवन और जगत दोनों को आलोकित करने वाला था। आपने दहलीज पर खड़ी उदीयमान पीढ़ी को दिशा दृष्टी, और प्रतिभा स्थली को, हथकरघा, पूणार्यु, गौशाला के माध्यम से, उस पीढ़ी की डगर में दोनों ओर मील के पत्थर कायम कर दिए। पिछले सैकड़ों हजारों वर्षों में कोई ऐसा प्रखर और विचारोत्तेजक ना था, ना है और ना होगा। मैं ऐसे सन्त की चरण वन्दना करके धन्य हुआ। उनके आशीर्वाद कृपा से ही मेरा उत्कृष्ट सिंह निष्क्रिडित व्रत निर्विघ्न सानन्द सम्पन्न हुआ। हम स्मृतिशेष आचार्य श्री के बताए सन्मार्ग पर निरन्तर बढ़ सकें, यह प्रार्थना कर, मैं उनकी पवित्र स्मृति में अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं। आचार्य श्री के दिव्य चरणों में त्रयभक्ति पूर्वक बारंबार नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु

एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत पर हुआ विनयांजलि सभा का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। दिगंबर परम्परा के इस सदी के महान संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनिराज का 18 फरवरी की मध्यरात्रि छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चन्द्रगिरि तीर्थक्षेत्र में समाधि मरण हो गया। गुरुवर के देवलोक गमन से देशभर के आगरा सकल जैन समाज में शोक का माहौल बना हुआ है। 20 फरवरी को श्रमण उपाध्याय श्री विकसंत सागर जी महाराज ससंघ एवं आगरा दिगंबर जैन परिषद एवं सकल जैन समाज आगरा के तत्वावधान में आगरा के हरीपर्वत स्थित एमडी जैन इंटर कॉलेज परिसर में एक विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। विनयांजलि सभा का शुभारंभ आगरा दिगंबर जैन परिषद एवं श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के पदाधिकारीओं ने समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने संत शिरोमणि आचार्यश्री को शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। विनयांजलि सभा में गुरुवर के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करने आये लोकोदय तीर्थ क्षेत्र के श्रेष्ठ ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार मोठया ने कहा की गुरुवर इतनी कम उम्र में देवलोक गमन को चले जाएंगे ऐसा हमने नहीं सोचा था गुरुवर ने अपने जीवन-में 500 से ज्यादा दीक्षा दी । आगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार ने कहा कि गुरुवर ने अपने जीवन में देश भर में गो माताओं की सेवा के लिए सेकड़ो गौशालाओं का निर्माण कराया साथ ही देश भर की विभिन्न जेलों में बंद केदियों को जीवन की मुख्य धारा में लाने के लिए हथकरगा सेंटर को शुरू किया उनके द्वारा किये गये कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन द्वारा विनयांजलि समर्पित करते हुआ कहा की जैन धर्म के सबसे बड़े संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ब्रह्मलीन होने की खबर न सिर्फ जैन समाज के लिए बल्कि देश और दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति है। आचार्य श्री के चरणों में शत शत नमन करता हूं। आचार्य श्री के प्रेरणा संदेश सम्पूर्ण मानवजाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। कक्षा 9वीं तक लौकिक शिक्षा लेने के बाद 1966 में आचार्य देशभूषण महाराज से गुरुवर ने ब्रह्मचर्य व्रत लिया और 30 जून 1968 को उन्हें आचार्य ज्ञानसागर महाराज ने मुनि पद की दीक्षा दी।

श्री सुधीर-श्रीमती अलका गोधा

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

22 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

जनकपुरी में छोटे बाबा आचार्य विद्या सागर जी को 108 बार नमोकार का जाप कर दी विनयांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी को रविवार को विनयाँजलि दी गई । प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि समाज निःशब्द हैं, जीवन के यथार्थ का बोध व अध्यात्म का ज्ञान करा कर सद्भावना का संदेश प्रदान करते हुए युगदृष्टा, संत सिरोमणी, परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज यमसल्लेखना पूर्वक समाधि को प्राप्त हो गये है । उपस्थित भक्त जनों ने 108 बार नमोकार मन्त्र का जाप कर गुरुवर को अश्रुपूरित विनयांजलि देकर समाधिस्थ आत्मा शीघ्र ही सिद्ध शिला पर विराजमान हो, यह मंगल भावना भायी । इससे पूर्व आचार्य श्री के समक्ष गणमान्य जनों ने दीप प्रज्वलित किया तथा अंत में शिखर चंद जैन ने कहा कि पूज्य श्री निःसंदेह भले ही हमारे मध्य न हों किन्तु उनका सम्पूर्ण जीवन दर्शन हमारे समक्ष है। उस पथ के हम अनुगामी बनें, यही हमारी सच्ची विनम्र श्रद्धांजलि, विनयांजलि होगी।

जैन संस्कार पाठशाला चोमू बाग सांगानेर में विंनयांजलि सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया। मंगलवार दिनांक 20 फरवरी 2024 को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर चोमू बाग अंतर्गत संचालित जैन संस्कार पाठशाला द्वारा जैन जगत के श्रेष्ठतम संत, संयम और शांति के पथ प्रदर्शक, आचार्य भगवन 108 श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज द्वारा सम्यक संलेखना पूर्वक समाधिस्थ होने के क्रम में मंदिर जी में एक विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम शिक्षिका श्रीमती सुनीता बड़जात्या द्वारा गुरुवर विद्यासागर जी महा मुनिराज के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित किया। बाद में सभी उपस्थित बच्चों एवं अन्य महानुभावों ने सामूहिक रूप से एक माला णमोकार महामंत्र के जाप करने के पश्चात, पाठशाला के बच्चों कुमारी मोक्षा जैन, कुमारी विधि जैन, आर्जव जैन एवं विधान जैन ने आचार्य भगवन विद्यासागर महामुनिराज के बारे में अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए अपनी भावभीनी विनयांजलि प्रस्तुत करी। विनयांजलि सभा में पाठशाला परिवार के अलावा अभिभावकों एवं समाज के अन्य महानुभावों ने भी हिस्सा लिया। पाठशाला की प्रमुख शिक्षिका श्रीमती सरोज जैन ने गुरुवर की जीवनी एवं त्याग तपस्या के बारे में विस्तार से बताकर अपनी विनयांजलि प्रस्तुत की एवं बच्चों को आज कोई भी एक नियम लेने के लिए प्रेरित किया। पाठशाला समन्वयक प्रेमचंद बडजात्या ने विनयांजलि सभा का आयोजन करने के लिए सभी शिक्षकों का आभार प्रकट किया एवं बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए सभी आगंतुक महानुभावों का भी आभार प्रकट किया।

महावीर प्रवाह का ई चौपाल विशेषांक ऑनलाइन लोकार्पित

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स जयपुर के लोकप्रिय त्रैमासिक ''महावीर प्रवाह'' का अक्टूबर दिसंबर अंक ई चौपाल विशेषांक के रूप में आनलाइन लोकार्पित किया गया। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की विशेषांक का ऑनलाइन लोकार्पण अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन ने किया। इस अंक मे प्रतिदिन रात्रि मे आयोजित महावीर इंटरनेशनल की ई चौपालः दोस्ती से सेवा की ओर पर विशेष सामग्री दी गई हे। विमोचना समारोह में महासचिव अशोक गोयाला, संपादक मंडल की रश्मि सारस्वत, संदीप डांगी, सुनील गांग उदयपुर, गौतम राठौड़,लता शर्मा, सुरेश गांधी, अजीत कोठिया, कुसुम कोठिया, संजय वैद, वन्दना बक्षी, कविता दक, अनिता जैन, डा. अनील छाजेड़, रवि जैन, मंजुलता भंडारी, कनकलता जैन, महेश कुमार मूंड, संपतलाल लोढ़ा, रूबी सुराना, उषा कपूर तथा अशोक गुप्ता सहित कई वीर वीराए सम्मिलित थे। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल की स्थापना के गोल्डन जुबली समारोह 7 जुलाई 2024को नई दिल्ली के माणेक शा सेंटर आडीटोरियम मे आयोजित किए जाने की सूचना दी गई। संचालन संदीप डांगी ने किया, आभार सुनील गांग ने व्यक्त किया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर समाज के द्वारा आचार्य श्री को विन्यांजलि अर्पित की

जयपुर. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज एसएफएस के द्वारा श्री वर्धमान दिगंबर जैन समिति युवा मंडल महिला मंडल एवं समाज एसएफएस के सभी श्रद्धालुओं द्वारा विन्यांजलि सभा रखी गई जिसकी शुरूआत समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने अपने संबोधन से प्रारंभ की और कहा कि विश्वास नही हो रहा है कि इस धरती के चलते फिरते तीर्थ, वर्तमान के वर्धमान हम सबके आराध्य संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्या सागर जी महाराज अब हमारे बीच नहीं रहे।

जिनशासन का एक अनुपम सूर्य आज अस्त हो गया

परम पूज्य गुरुदेव के चरणों में सकल दिगंबर जैन समाज परिवार की और से अश्रुपूरित विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके पश्चात समाज समिति के अध्यक्ष डॉ राजेश काला पंडित मिलाप चंद शास्त्री समिति के पूर्व अध्यक्ष कमलेश चंद जैन स्वाध्याय मंडल के अध्यक्ष कैलाश चंद, कमलचंद जी टोंगिया पंडित लालचंद जैन विनोद झां'झरी महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी अंजना कासलीवाल बहन माधुरी जी श्रीमती पुष्पा बाकलीवाल महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष इंदिरा सोगानी शिखा शिखा सोगानी चंदा छाबड़ा और अन्य कई वक्ताओं ने अपनी संवेदना व्यक्त की ' और अंत में समिति के मंत्री रवि बाकलीवाल ने सभी श्रद्धालुओं के साथ खड़े होकर 2 मिनट का मौन धारण कर भगवान से प्रार्थना की दिवंगत आत्मा को मोक्ष गति प्राप्त हो।

दिव्यांग लोगो की सुविधा हेतु तीन व्हील चेयर भेंट

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

भारतीय स्टेट बैंक जयपुर मण्डल एवं महावीर इंटरनेशनल ऐपेक्स जयपुर के सामाजिक कल्याण हेतु विशेष अनुबंध के तहत महावीर इंटरनेशनल संस्था कुचामन के द्वारा श्री जे. डी. जैन इंग्लिश मीडियम स्कूल पलटन को दिव्यांग बालकों पढाई में सुविधा हेतु दो व्हील चेयर संस्था के सचिव व सन्तोष कुमार पहाड़िया एवं कार्यालय प्रभारी अशोक अजमेरा को सुपुर्द की गई व एवं एक व्हील चेयर सबसे पुराने आयुर्वेदिक औषधालय सेवा समिति के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल सचिव सुशील काबरा को भारतीय स्टेट बैंक कुचामन डीडवाना रोड साखा के मुख्य प्रबंधक मुकेश कुमार जी बाज्या व मुख्य प्रबंधक देवदत जी , साथ ही संस्था के गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन वीर सम्पत बगड़िया वीर सोहनलाल वर्मा वीर तेजकुमार बड़जात्या के सानिध्य में दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों को सबको प्यार सबकी सेवा जीवों और जीने दो के उद्देश्य से सुपुर्द कि गई।

24 व 25 को जैन समाज का दो दिवसीय कार्यक्रम

सुनील पाटनी। शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। औद्योगिक नगर भीलवाड़ा में जैन संस्कार मंच परिवार द्वारा 24 व 25 फरवरी को दो दिवसीय मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की जानकारी देते हुए मंच के मंत्री ललित सांखला ने बताया कि 24 फरवरी शनिवार को प्रातः 8:00 बजे से 1:00 बजे तक सूचना केंद्र चौराहे पर रक्तदान और निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर रखा गया है तथा शाम को 7:00 से विशाल जैन शासन भक्ति संध्या चलो भक्ति करें का आयोजन डालडा मिल परिसर रामधाम चौराहा चित्तौड़ रोड पर किया जा रहा है मंच के अध्यक्ष मुकेश रांका ने बताया कि इसमें भजन सम्राट वैभव बाध मार अनिल सालेचा, किशन गोयल वैभव सोनी द्वारा अपने साथियों के साथ भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी, कार्यक्रम की निरंतरता में 25 फरवरी रविवार को संस्कार सूर्य उप प्रवर्तक परम पूज्य सिद्धार्थ मुनि म.सा. की 32वीं दीक्षा जयंती के उपलक्ष में प्रातः 8:30 बजे से 10:00 बजे तक शांति भवन में नवकार महामंत्र जाप तथा साम्यिक आराधना का आयोजन होगा जिसका समापन 21 लकी ड्रा से किया जाएगा तथा इसी दिन रविवार शाम को ही 7:00 बजे डालडा मिल परिसर में ही विशाल एलईडी स्क्रीन के माध्यम से पालीताणा तीर्थ की भाव यात्रा का आयोजन किया जाएगा जिसमें गुजरात के भाविक मेहता, त्रिलोक भोजक, नितिन जैन, महेश भाई द्वारा विधि विधान के साथ विशेष प्रस्तुति दी जाएगी।

लाभ मण्डप सभागृह अभय प्रशाल इन्दौर में विन्यांजलि सभा का आयोजन

इंदौर. शाबाश इंडिया। आज दिनांक 21 फरवरी को लाभ मण्डप सभागृह अभय प्रशाल इन्दौर में जैन जगत के श्रेष्ठतम आचार्य विद्यासागर जी के समाधिस्थ हेतु एक विनयांजलि सभा का आयोजन दयोदय ट्रस्ट और प्रतिभास्थली के नेतृत्व में किया गया। जिसमें अ. भा. पल्लीवाल जैन समाज के साथ समाज के विभिन्न जैनेतर संगठनों के साथ वैशय, सिख, ईसाई, मुस्लिम, बोहरा, क्रिश्चियन समाज के सभी प्रतिनिधियों ने अपनी विनयांजलि अर्पित की विकास कुमार ने वैश्नव समाज की तरफ से विनयांजलि अर्पित करते हूये कहा कि गुरुदेव को सच्ची विनयांजलि भारत सरकार द्वारा विद्यासागर अवार्ड शुरू करें, व अन्य सभी वक्ताओं ने भारतरत्न देने की अपील की, हुकमचंद सांवला मुख्य वक्ता थे व श्रीमति रेणू जैन कुलपति अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी विनयांजलि अर्पित की। तुलसी सिलावट मंत्री म प्र शासन, शंकर लालवानी सासंद ने भी अपनी विनयांजलि अर्पित की, सभा में आचार्य श्री को भारत रत्न देने के सुझाव पर श्री लालवानी ने इसे केन्द्र व प्रधानमंत्री तक यह संदेश पहुंचाने का वचन दिया। पल्लीवाल समाज की और से अ. भा. पल्लीवाल महासभा के पूर्व महासचिव राजीव रतन जैन इन्दौर शाखा के मंत्री इन्द्र कुमार जैन, प्रचार मंत्री ऋषभ कुमार जैन, दीपक जैन, नरेश जैन इत्यादि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए व सभी ने आचार्य श्री के प्रति विनयांजलि अर्पित की। संचालन सचिन जैन उद्योगपति द्वारा किया गया।

वर्द्धमान रूट्स के वार्षिकोत्सव में अभिभूत हुए 'ग्रैंड पेरेंट्स'

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर। जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति के संस्कारों के प्रति प्रतिबद्ध श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान वर्द्धमान इंटरनेशनल स्कूल 'वर्द्धमान रूट्स' का वार्षिकोत्सव 'ग्रेंड पेरेंट्स' को समर्पित रहा। श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय परिसर में आयोजित सतरंगी रोशनी से सुसज्जित मंच पर प्ले ग्रुप,नर्सरी, एलकेजी,एचकेजी के नन्हे बच्चों के दादा-दादी व नाना-नानी के लिए 'ग्रैंड पेरेंट्स डे' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति हुई जिसे देखकर सभी अभिभावक प्रफुल्लित हुए।

बच्चों की मासूम अदाओं ने मोहा मन

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत हुई सर्वप्रथम एचकेजी के बच्चों द्वारा नवकार मंत्र की प्रस्तुति दी गई, एलकेजी की स्टूडेंट अनन्या एवं अवनी ने अपनी मासूम आवाज में वेलकम स्पीच के द्वारा समस्त आगंतुकों का स्वागत किया। प्ले ग्रुप के छोटे बच्चों ने बूम-बूम डांस, एचकेजी के बच्चों ने तुझमें रब दिखता है, एचकेजी के बच्चों ने ग्रैंड पेरेंट्स के प्रति अपने भाव बुरी स्पीच प्रस्तुत की, इसके साथ ही रेट्रो थीम डांस, लिखे जो खत तुझे,नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए, पंजाबी डांस, तारे जमीन पर, बागवान,फिटनेस डांस, लूंगी डांस, मोबाइल मेनिया स्केट, कविता गायन के साथ 'वृद्धाश्रम' पर चित्रण करती हुई एक विशेष प्रस्तुति ने सबको भाव-विभोर कर दिया। वर्द्धमान रूट्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दो पीढ़ियों के बीच रिश्तों को मजबूत और कायम रखना। इसी सोच के साथ नृत्य और संगीत के मधुर मेल ने सभी दादा-दादियों एवम्नाना-नानियों के दिलों को छू लिया। बॉलीवुड गानों ने वातावरण को खुशनुमा बनाया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने अपने ग्रैंड पैरेंट्स को खुशियों भरे लम्हे का आनंद लेने का मौका दिया।

भव्य स्वागत से अभिभूत हुए अभिभावक

वर्द्धमान रूट्स में अध्यनरत बच्चों के अभिभावकों विशेष रूप से दादा-दादी और नाना-नानी को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। कार्यक्रम का सबसे मुख्य आकर्षण ग्रैंड पेरेंट्स का सत्कार-अभिनन्दन रहा। बच्चों के दादा-दादी,नाना-नानी की एंट्री के साथ सर्वप्रथम उनका तिलक लगाकर,माला पहनाकर स्वागत किया गया उसके पश्चात सेल्फी बूथ पर साफा पहना कर मधुर स्मृति बनाए रखने के लिए फोटो शूट किया गया। वर्द्धमान ग्रुप के बच्चों की बेंड के लयबद्ध कदमों के साथ संगीतमय धुनों के साथ समस्त आगन्तुक 'ग्रैंड पेरेंट्स' की शानदार एंट्री हुई। कार्यक्रम में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ.नरेन्द्र पारख, उपाध्यक्ष प्रकाश चंद गदिया, कोषाध्यक्ष रमेशचंद मेडतवाल, प्रचार मंत्री दीपचंद कोठारी, प्रबंन्धकारिणी सदस्य आशीष रांका, महावीरचंद बिनायकिया, धनपतराज श्री श्रीमाल, निदेशक डॉ. रमेशचंद लोढ़ा, बी.एल.गोठी स्कूल प्राचार्य अनिल शर्मा, श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ प्राचार्य धर्मेन्द्र शर्मा, वर्द्धमान रूट्स प्राचार्या श्वेता नाहर, उधोगपति सचिन नाहर एवं नगर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का शानदार एवं सफल संचालन अर्पिता शर्मा द्वारा किया गया। इस पूरे कार्यक्रम को तैयार करने में अनुपमा शर्मा, वर्तिका वशिष्ठ, मनोज सांखला एवं वर्द्धमान रूट्स का पूरा स्टाफ का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में वर्द्धमान रूट्स प्रिंसिपल श्वेता नाहर ने समस्त आगन्तुक अतिथियों, बच्चों के अभिभावकों, ग्रैंड पेरेंट्स, दादा-दादी, नाना-नानी, बच्चों के माता-पिता एवं समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ मानसिक विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। आज के युग में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ग्रैंड पैरेंट्स का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को अपने ग्रैंड पेरेंट्स के साथ भावनात्मक रिश्ते को संजोने और समझने का अवसर मिलेगा साथ ही बच्चे अपनी जड़ों एवं संस्कार से जुड़े रहेंगे।

आचार्य विद्यासागर जी महाराज के गुणानुवाद सभा का हुआ आयोजन

आर्यिका विशेषमति माताजी के सानिध्य में हुई विनयांजलि

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर सेक्टर 8 में संतशिरोमणी आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज के समाधि पर गुणानुवाद और विनयांजलि सभा का आयोजन बुधवार को प्रातः 8 बजे आर्यिका विशेषमति माताजी के सानिध्य में हुआ, श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के प्रचार मंत्री बाबू लाल जैन ईटून्दा के अनुसार सभा का प्रारंभ विभिन्न कालोनियों के पधारे समाज श्रेष्ठि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया, इस अवसर पर स्थानीय समाज के पूर्व अध्यक्ष रमेश जैन द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जीवन परिचय द्वारा विनयांजलि प्रस्तुत की गई, इसी कड़ी में संस्थापक अध्यक्ष महावीर गोयल, श्रीमती सोनिया जैन, मनीष जैन द्वारा आचार्य श्री का गुणानूवाद किया गया, सभा के अंत में आर्यिका विशेषमति माताजी द्वारा आचार्य विद्यासागर जी महाराज को भावभीनी शाब्दिक श्रद्धांजलि देते हुए उनके गुणों का वाचन किया, सभा में मंच संचालन जिनेन्द्र गंगवाल द्वारा किया गया, इस अवसर पर स्थानीय समाज के अध्यक्ष कमलेश जैन, सेक्टर 5 समाज अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन, तारानगर अध्यक्ष सुरेश सोनी, सेक्टर 17 से दीपक गोधा, महेश सेठी, सेक्टर 10 से गोपाल शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र पटेल, भाजपा नेता जगदीश पटेल, रामस्वरूप सहित अनेक समाजो के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाबू लाल जैन ईटून्दा

नाज में बच्चों के लिए करियर काउंसलिंग का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर । वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित सेंदड़ा रोड पर संचालित श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ नाज में विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया जिसमे एमिटी यूनिवर्सिटी से पधारे मनोज अग्रवाल, हर्ष जुनेजा, राहुल ने विद्यार्थियों को अपने भविष्य निर्माण और बेहतर जीविकोपार्जन के लिए देश में उपलब्ध विभिन्न करियर कोर्स के बारे ने जानकारी दी और बताया की किस प्रकार अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उसे निरंतरता के साथ मेहनत करके प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने बताया की विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को भी कार्यक्रम में विशेष प्रशिक्षण दिया गया जिससे विद्यार्थियों को अपने लिए बेहतर करियर का चयन करने के लिए मार्गदर्शन मिल सके। इस अवसर पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर. सी. लोढ़ा, प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा, उप प्रधानाचार्य नागेश राठौड़, प्रबंधक हरीश गरवाल ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा विन्यांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

आराध्य गुरुदेव, भक्तों के भगवान, दिगंबर सरोवर के राजहंस, सबके परम उपकारी, संतत्व से सिद्धत्व पथ के अविराम यात्री, संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज की दिनाँक 18 फरवरी 2024 को संलेखना पूर्वक समाधि हो गई है। इस अवसर पर जैन सौशल ग्रुप महानगर परिवार द्वारा, दिनाँक 20 फरवरी 2024 को रात्री 8.00 बजे से, संघी जी मंदिर, सांगानेर पर विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया। महानगर ग्रुप के अध्यक्ष संजय छाबड़ा (आंवा) एवं ग्रुप के उपस्थित पदाधिकारियों के साथ आचार्य श्री की फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। छाबड़ा द्वारा आचार्य श्री की जीवनी के बारे में सभी को विस्तृत रूप से अवगत करवाते हुये आचार्य श्री के साथ बिताए गए संस्मरणों से अवगत करवाया। जैन सौशल ग्रुप महानगर सदस्यों द्वारा णमोकार मंत्र का जाप, भक्तामर स्त्रोत का पाठ किया। भजनों का संगीत मय कार्यक्रम अविनाश एवं टीम द्वारा किया गया। ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश जैन एवं दीपेश छाबड़ा द्वारा आचार्य श्री द्वारा दिए गए उपदेश एवं संस्कारों को अपनाने के लिए उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया। इस अवसर पर किरण प्रकाश, अधिवस्थठता, श्रमण संस्कृति महाविद्यालय, सांगानेर ने आचार्यश्री के साथ बिताए गये समय एवं अनुभव से सभी को अवगत करवा कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन आचार्यश्री की आरती कर किया गया। ग्रुप सचिव श्री सुनील गंगवाल एवं कार्यक्रम सयोजक अरविंद जैन ने आये हुए सभी सदस्यों को कार्यक्रम में सहभागिता निभाने हेतु धन्यवाद दिया। विन्यांजलि सभा कार्यक्रम में सभी पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश जैन, विरेंद्र जैन, दीपेश छाबड़ा, डा० राजीव जैन, उपाध्यक्ष सुशील कासलीवाल सहित महानगर परिवार सदस्यों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर राकेश समता गोदीका, सम्पादक शाबाश इण्डिया एवं संघी जी मंदिर के नरेंद्र बज व अन्य पदाधिकारियों ने भी उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को गर्भकल्याणक उत्तरार्द्ध की क्रियाएं हुई। इस मौके पर गोद भराई, माताद्य-पिता का बहुमान, सोलह स्वप्न दिखाकर व उनके फलों के बारे में बताया गया। इन सभी आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अपनी श्रद्धा और आस्था को प्रगट किया। महोत्सव के तहत गुरुवार को जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली जाएगी और पांडुक षिला पर 1008 कलषों से अभिषेक किया जाएगा। मंगल विहार पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष प्रमिला जैन व सचिव अमित गोधा ने बताया कि गर्भकल्याणक उत्तरार्ध की आंतरिक क्रियाएं की गई। इसके बाद जिनाभिषेक के बाद महाध्वज स्थापना पूजा, हुई। इस अवसर पर हुई धर्मसभा में आचार्यश्री ने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव एक पावन महोत्सव है। ऐसे आयोजनों से हमारे अंदर भक्ति का संचार होता ही है, साथ ही धर्म का जयघोष सारे संसार में फैलता है। हम सभी को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। ऐसे महोत्सवों को देखने का अवसर हर किसी को प्राप्त नहीं होता है। इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य वाणी भूषण डॉ.आनंद प्रकाष कोलकाता ने शांति हवन करवाया। इसीदिन दोपहर में गोद भराई की गई और महोत्सव में भगवान के माता-पिता बने हरकचंद-कुसुम जैन का समाजबंधुओं ने बहुमान किया गया। साम को आरती व प्रवचन के बाद गर्भकल्याणक की पूर्व क्रियाएं हुई जिसमें भेरी ताडन, मंगलाचरण, तत्वचर्चा, इन्द्रासना, सुधर्मा सभा, सौधर्म-षचि वार्ता, कुबेर आगमन व सौधर्म इन्द्र की चर्चा, नगरी रचना, नई नगरी में महाराजा व महारानी का प्रवेष, रत्नवृष्टि, याचकों की आषा पूर्ति, माता की सेवा में अष्टकुमारियों की नियुक्ति, माता की सेवा व माता का शयन व सोलह स्वप्न व उनका फल के बाद मध्य रात्रि में गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियाएं व माता की गोद भराई सहित अन्य क्रियाएं सम्पन्न हुई। गर्भकल्याणक की इन क्रियाओं के देख श्रद्धालू भाव विभोर हो उठे। प्रचार संयोजक रितेष जैन व शुभम शाह ने बताया कि महोत्सव के तहत गुरुवार को सुबह 6बजे नित्य नियम पूजा के बाद गर्भकल्याणक पूजा के बाद शांति हवन होगा। इसके बाद सुबह 7.30 बजे तीर्थंकर बालक का जन्म, इन्द्र सभा, षची सौधर्म वार्ता, सौधर्म का अवधिज्ञान से तीर्थंकर जन्म को जानना, नमस्कार, कुबेर इन्द्र के पात्र बने अमित-रितु गोधा की सौधर्म इन्द्र के पात्र बने प्रेम कुमार-पदमा जैन से वार्ता, सौधर्म इन्द्र का सप्त सेना अयोध्या के लिए प्रस्थान, अयोध्या परिक्रमा, माता को मायामयी निद्रा में सुलाना, मायावी बालक का निर्माण, प्रसुतिगृह से बालक से जिन बालक को लाना और सौधर्म इन्द्र को सौंपना, आदि क्रियाओं होगी। इसके बाद सुबह 8.30 बजे ओंकार शुद्धि, प्रोक्षण विधि, धुली कलषाभिषेक के बाद जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई पांडुक षिला पहुंचेंगी, जहां पर बालक आदिकुमार का 1008 कलषों से अभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसीदिन दोपहर में 3बजे जन्मातिषय, झांकियां के बाद साम को आरती व प्रवचन के बाद जिन जन्म महोत्सव, तांडव नृत्य, पालना, काल क्रीड़ा व भगवान के बाल्यावस्था के दृष्य दिखाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 23 को तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन बाल क्रीडा, आहार चर्या के बाद, युवराज पट्टाभिषेक, ऋषभदेव का विवाह, महाराजा नाभिराय व सौधर्म इन्द्र वार्ता, राज्याभिषेक व नीलांजना नृत्य व वैराग्य आदि क्रियाएं सम्पन्न होगी। महोत्सव के तहत 24 को ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।

एम्पलॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान का प्रतिनिधीमंडल पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी (क्राईम ब्रांच) जयपुर से मिला

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 21 फरवरी, 2024, आज ईएआर को एक दल ने श प्रसन्न कुमार खमेसरा, पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी (क्राईम ब्रांच) जयपुर से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। ईएआर अध्यक्ष एन. के. जैन के नेतृत्व में उद्यमी किशन पौद्दार, निर्मल मूंदड़ा, अजय गुप्ता, बसंत जैन, महिला उद्यमी पूजा गुप्ता व उच्च न्यायालय अधिवक्ता निधी खण्डेलवाल ने पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी (क्राईम ब्रांच) जयपुर प्रसन्न कुमार खमेसरा को शॉल ओढ़ा कर माल्यार्पण किया और जयपुर की सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की। जैन ने कहा कि हमें पूर्ण उम्मीद है कि आपके सक्षम नेतृत्व से अपराधों में कमी आएगी और उद्यमी भयमुक्त वातावरण में अपने व्यापार को निर्विघ्न चला पाएगा। खमेसरा ने कहा कि पुलिस विभाग बहुत तेजी से अपना आधुनिकीकरण कर रहा है जिसमें हम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ड्रोन जैसी नई तकनीकी से अपने विभाग को जोड़ रहे हैं और इससे जहाँ एक ओर अपराध में कमी आएगी व अपराधियों को कम समय में इन्वेस्टीगेशन कर पकड़ लिया जाएगा। ईएआर के उपाध्यक्ष अजय गुप्ता ने साईबर क्राईम व बैंकों में फाईनेंशियल ठगी को रोकने के लिए भी नई तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया और राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व वित्तमंत्री श्रीमति दिया कुमारी द्वारा पुलिस विभाग के माडर्नोईजेशन आधुनिकीकरण पर 250 करोड़ के बजट एलोकेशन पर प्रसन्नता जाहिर की। उद्यमी निर्मल मूंदड़ा से धन्यवाद देते हुए स्मृति चिन्ह के रुप में नवनिर्मित राम मंदिर की प्रतिकृति खमेसरा को भेंट की। खमेसरा ने आश्वस्त किया कि उद्यमियों व महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा इस पर निधी खंडेलवाल व पूजा गुप्ता ने धन्यवाद देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

नेमीसागर कालोनी में विनयांजलि सभा अयोजित हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनिराज की पुण्य स्मृति में नेमीसागर दिगम्बर जैन मन्दिर में विनयांजलि सभा अयोजित की गई। सभा में समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने गुरुवर विद्यासागर के प्रति अपने उद्गार व्यक्त किए एवं उनका गुणानुवाद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विद्यासागर मुनिराज ने सदैव पूरे भारत के सभी धर्मो के लोगो और मूक पशुओं के भी कल्याण का मार्ग दिखाया। मुनि विद्यासागर ने जिस संयम और त्याग के साथ अपना जीवन जिया, वह अनुकरणीय है। उनके समान तपस्वी होना दुर्लभ ही है। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस अवसर पर संजय जैन, संजीव कासलीवाल, जयकुमार बड़जात्या, अर्चना निगोतिया, बबिता जैन, पिंकी जैन, बीना जैन, मधु जैन, अनिल जैन, वीरेंद्र गोधा, हंसराज गंगवाल, रेखा जैन आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा की अध्यक्षता डी सी जैन ने की तथा संचालन प्रदीप निगोतिया ने किया। उल्लेखनीय है कि जैन आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की समाधि डोंगरगढ़ में दिनांक 18 फरवरी को प्रातः हो गईं थीं, उसके पश्चात सम्पूर्ण जैन समाज में शोक की लहर व्याप्त है।

जैन मंदिरों में गूंजे जयकारे

जैन धर्मावलंबियों ने मनाया चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनन्दन नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव। जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर भगवान धर्म नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव आज(गुरुवार को)

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्मावलंबियों द्वारा जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनन्दन नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव बुधवार, 21फरवरी को भक्ति भाव से मनाया गया।इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। गुरुवार को जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर भगवान धर्म नाथ के जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाए जाएंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मंदिरों में श्री जी के अभिषेक के पश्चात जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना के दौरान भगवान अभिनन्दन नाथ का जन्म व तप कल्याणक श्लोक का सामूहिक रूप से उच्चारण कर जयकारों के साथ अर्घ्य चढाया गया। महाआरती के साथ समापन हुआ। मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज में भगवान अभिनन्दन नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर अभिषेक, शांतिधारा के बाद मण्डल विधान पर पूजा अर्चना की गई। जैन के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी ,जग्गा की बावड़ी, तारों की कूंट पर सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, शांतिनाथ जी की खोह सहित अन्य दिगम्बर जैन मंदिरों में भगवान अभिनन्दन नाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि गुरुवार,22 फरवरी को जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर भगवान धर्म नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः पूजा अर्चना के दौरान कल्याणक अर्घ्य मंत्रोच्चार के साथ चढ़ाएं जाएगे। जैन के मुताबिक बुधवार,28 फरवरी को छट्ठे तीर्थंकर भगवान पद्म प्रभू का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा।इस मौके पर मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा ।